दक्ष®

18 अप्रैल, 2022 को जारी नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSSB)

VDO ग्राम विकास अधिकारी मुख्य परीक्षा

Complete Notes on

No.1

इकाई-4

भूगोल और प्राकृतिक संसाधन

अत्यंत महत्त्वपूर्ण 30 अंक सुनिश्चित करें।

इकाई-5

राजस्थान के संदर्भ में कृषि व आर्थिक संसाधन

अत्यंत महत्त्वपूर्ण 30 अंक सुनिश्चित करें।

WWW.DAKSHBOOKS.COM

हिंगलाज हरमू (अलबेला)

दक्ष®

18 अप्रैल, 2022 को जारी नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSSB)

VDO ग्राम विकास अधिकारी मुख्य परीक्षा

Complete Notes on

इकाई-4 : भूगोल और प्राकृतिक संसाधन

अत्यन्त महत्त्वपूर्ण 30 अंक सुनिश्चित करें।

इकाई-5 : राजस्थान के संदर्भ में कृषि व आर्थिक संसाधन

अत्यन्त महत्त्वपूर्ण 30 अंक सुनिश्चित करें।

NCERT, RBSE एवं प्रामाणिक पुस्तकों पर आधारित

आर्थिक समीक्षा एवं बजट **2022-23** एवं नवीनतम आँकडों का समावेश

- अधिक से अधिक वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश
- विगत वर्षों की प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नों का समावेश
- प्रत्येक अध्याय को सिलेबस अनुसार वर्गीकृत करके टॉपिक का विवरण

लेखक

हिंगलाज हरमू (अलबेला)

दक्ष प्रकाशन

(A Unit of College Book Centre)

WWW.DAKSHBOOKS.COM

प्रकाशक :
परितोष वर्धन जैन
कॉलेज बुक सेन्टर
- A-19, सेठी कॉलोनी,
जयपुर-302 004

© सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन

लेजर टाईपसैटिंग :
पूजा एण्टरप्राईजेज़
जयपुर

मुद्रक :
के.डी. प्रिन्टर्स
जयपुर।

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड
द्वारा आयोजित

ग्राम विकास अधिकारी सीधी भर्ती

मुख्य परीक्षा हेतु स्कीम एवं पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम (Syllabus)

(4) भूगोल और प्राकृतिक संसाधन: अंक–30

(i) संसार के व्यापक भौगोलिक क्षेत्र, महत्त्वपूर्ण स्थान, नदियाँ, पहाड़, महाद्वीप।

(ii) भारत का पर्यावरण व वन्य जीवन, पारिस्थितिकी (इकोलॉजी)

(iii) राजस्थान का भौगोलिक परिदृश्य–मौसम, वनस्पति, मिट्टी के प्रकार, भौगोलिक क्षेत्र, मानव संसाधन, जनसंख्या की समस्याएँ, बेरोजगारी, गरीबी, अकाल व सूखा, बढ़ता हुआ रेगिस्तान, राजस्थान के प्राकृतिक संसाधन—खनिज व खान, वन, भूमि, पानी, पशु सम्पदा, वन्य जीवन एवं वन संरक्षण, ऊर्जा समस्याएँ, ऊर्जा के परम्परागत एवं गैर–परम्परागत स्रोत।

(5) राजस्थान के संदर्भ में कृषि व आर्थिक संसाधन: अंक–30

राजस्थान की खाद्य व व्यावसायिक फसलें, कृषि आधारित उद्योग, वृहद सिंचाई एवं नदी घाटी परियोजनाएँ, बंजर भूमि व सूखा क्षेत्र विकास परियोजनाएँ, इंदिरा गांधी नहर परियोजना, उद्योगों का विकास व उनका स्थान, कच्ची सामग्री पर आधारित उद्योग, खनिज आधारित उद्योग, लघु एवं ग्रामोद्योग, निर्यात सामग्री, राजस्थानी हस्तकला, आदिवासी और उनकी अर्थ व्यवस्था, विभिन्न आर्थिक योजनाएँ, विकास संस्थाएँ, सहकारी आंदोलन, लघु उद्यम एवं वित्तीय संस्थाएँ, संविधान के 73वें संशोधन के अनुरूप पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका।

पाठ्यक्रम के प्रकाशन में हालांकि पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी अभ्यर्थी 'राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड' द्वारा प्रकाशित मूल परीक्षा की स्कीम एवं पाठ्यक्रम से मिलान अवश्य कर लें, अन्यथा किसी गलती के लिए प्रकाशन जिम्मेदार नहीं होगा।

Code No.: D-615

- प्रकाशक की अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी अंश का किसी भी प्रणाली के सहारे पुन:उत्पत्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीकी तरीके (इलेक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फॉटोकॉपी, रिकॉडिग, डिजीटल, वेब) के माध्यम से अथवा इस पुस्तक का नाम, टाईटल, चित्र, रेखाचित्र, नक्शे, डिजाईन, कवर डिजाईन, सेंटिंग, शिक्षण-सामग्री, विषय-वस्तु पूर्ण या आंशिक रूप से किसी भी भाषा में हूबहू या तोड़-मरोड़ कर या अदल-बदल कर प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है। इस पुस्तक के प्रतिलिप्याधिकार प्रकाशक के पास सुरक्षित हैं।
- पुस्तक का कम्पोजिंग कार्य कम्प्यूटर द्वारा कराया गया है, पुस्तक के लेखन व प्रकाशन कार्य में लेखक, प्रूफ रीडर, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरतने के बावजूद भी अधूरी या पुरानी जानकारी का होना/कुछ ग़लतियों/कमियों का रह जाना सम्भव है, जिसके लिए पुस्तक प्रकाशन से जुड़े मुद्रक, लेखक एवं प्रकाशक उत्तरदायी नहीं होंगे। पाठकों के सुझाव सादर आमंत्रित हैं।
- सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जयपुर (राज.) होगा।

अनुक्रमणिका

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ नम्बर

4. भूगोल और प्राकृतिक संसाधन **अंक-30**

(Geography and Natural Resources) **1–148**

1 संसार के व्यापक भौगोलिक क्षेत्र, महत्त्वपूर्ण स्थान, नदियाँ, पहाड़ व महाद्वीप [Wide Geographical Area of the World, Important Places, Rivers, Mountains and Continents] 1

❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 27

2 भारत का पर्यावरण व वन्य जीवन [India's Environment and Wildlife] ... 31

❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 40

3 भारत की पारिस्थितिकी [India's Ecology] 42

❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 45

4 राजस्थान : जलवायु [Rajasthan : Climate] 46

❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 51

5 राजस्थान के मृदा क्षेत्र [Soil Area of Rajasthan] 54

❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 55

6 राजस्थान : भौगोलिक क्षेत्र [Rajasthan : Geographic Region] 57

❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 69

7 राजस्थान : जनसंख्या-वितरण, वृद्धि, साक्षरता, लिंगानुपात [Rajasthan : Population-Distribution, Growth, Literacy, Sex-ratio] 74

❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 85

8 राजस्थान में बेरोजगारी एवं दरिद्रता/गरीबी [Unemployment & Poverty in Rajasthan] 89

❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 93

9 राजस्थान का अकाल व सुखा, बढ़ता रेगिस्तान [Rajasthan's Famine and Drought, Rising Desert] 95

❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 99

10 राजस्थान में खान एवं खनिज संसाधन [Mines & Mineral Resources of Rajasthan] 100

❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 103

11 राजस्थान में भूमि एवं जल संसाधन [Land and Water Resources in Rajasthan] 105

❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 106, 112, 116, 117

12 राजस्थान की पशु सम्पदा [Animal Wealth of Rajasthan] 118

❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 124

❖ डेयरी विकास 128

❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 129

अध्याय नं. अध्याय का नाम ..... पृष्ठ नम्बर

13 राजस्थान में वन, वनस्पति एवं वन्य जीव संरक्षण [Forest, Vegetation and Wildlife Conservation in Rajasthan] 130
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 135, 141

14 राजस्थान में ऊर्जा के परम्परागत एवं गैर परम्परागत स्रोत [Conventional and non-conventional Sources of Energy in Rajasthan] 143
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 147

5. राजस्थान के विशेष संदर्भ के साथ कृषि और आर्थिक विकास अंक-30
(Agriculture & Economic Resources with Reference to Rajasthan) 149–204

1 राजस्थान की खाद्य व व्यावसायिक फसलें [Food and Commercial Crops of Rajasthan] 149
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 154

2 कृषि आधारित उद्योग [Agriculture Based Industries] 156
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 158

3 वृहद सिंचाई एवं नदी घाटी परियोजनाएँ (इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना) [Major Irrigation & River Valley Projects] 159
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 163

4 बंजर भूमि व सूखा क्षेत्र विकास परियोजनाएँ [Wasteland and Drought Area Development Project] 165
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 172

5 कच्ची सामग्री व खनिज आधारित उद्योग [Raw Material & Mineral Based Industries] 173
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 177

6 राजस्थानी हस्तकला [Rajasthani Handicraft] 179
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 183

7 राजस्थान की आदिवासी जनजातियाँ एवं उनकी अर्थव्यवस्था [Tribal Tribes of Rajasthan and their Economy] 184
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 187

8 निर्यात सामग्री एवं विकास संस्थाएँ [Export Materials & Development Organization] 189
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 191

9 राजस्थान में उद्योगों का विकास, वित्तीय संस्थाएँ एवं लघु उद्योग [Development of Industries, Financial Institutions and Small Scale Industries in Rajasthan] 192
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 196

10 सहकारी आंदोलन [Cooperative Movement] 197
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 199

11 73वाँ संशोधन व पंचायती राज [73rd Amendment & Panchayati Raj] 200
❖ बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर 203

14 राजस्थान में ऊर्जा के परम्परागत एवं गैर परम्परागत स्रोत
[Conventional and non-conventional Sources of Energy in Rajasthan]

- ❖ राजस्थान राज्य के **निर्माण के समय (1949 ई.)** कुल स्थापित विद्युत क्षमता **13.27 मेगावाट** थी एवं राज्य के **42** शहर एवं गाँव ही विद्युतीकरण थे। वर्तमान में (दिसम्बर, 2021 तक) **23,321.40 मेगावाट** हो गयी है। (आर्थिक समीक्षा 2021-22 के अनुसार)
- ❖ राजस्थान में **प्रति व्यक्ति विद्युत उपभोग** (औसत प्रतिवर्ष) **1282 MW** है। (2019)
- ❖ **1 जुलाई 1957** को **'राजस्थान राज्य विद्युत मण्डल' (RSEB)** की स्थापना की गई।
- ❖ **19 जुलाई 2000** को राजस्थान राज्य विद्युत मण्डल **(RSEB)** को **पाँच कम्पनियों** में विभाजित कर दिया गया—**1.** राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड, **जयपुर 2.** राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड, **जयपुर 3.** जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, **जयपुर** (12 जिलों में वितरण) **4.** अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, **अजमेर** (11 जिलों में वितरण) **5.** जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, **जोधपुर** (10 जिलों में वितरण)।
- ❖ **राजस्थान विद्युत नियामक आयोग (RERC)** का गठन ERC एक्ट, 1998 के तहत **2 जनवरी, 2000** को किया गया।

राजस्थान बायोफ्यूल प्राधिकरण (BFA)

राजस्थान सरकार द्वारा **रतनजोत, करंज, जटरोपा** एवं **अन्य तेलीय पौधों की खेती को बढ़ावा** देने के लिए वर्ष **2007** में **राजस्थान बायोफ्यूल नीति** घोषित करके बायोफ्यूल प्राधिकरण का गठन किया गया है। राजस्थान में **12 जिले** बारां, बाँसवाड़ा, भीलवाड़ा, बूँदी, चित्तौड़गढ़, डूँगरपुर, झालावाड़, कोटा, राजसमन्द, सिरोही, उदयपुर एवं प्रतापगढ़ रतनजोत एवं अन्य तेलीय पौधों की खेती के लिए उपयुक्त पाये गये हैं। इसके अलावा पूर्वी राजस्थान के **8 जिलों** अलवर, भरतपुर, दौसा, धौलपुर, जयपुर, करौली, सवाई माधोपुर एवं टोंक में **करंज** का पौधरोपण करना उपयुक्त माना गया है।

- ❖ **सुपर क्रिटिकल पॉवर स्टेशन**—जिन बिजलीघरों की किसी एक भी इकाई की क्षमता **500 मेगावाट** या इससे अधिक हो।
- ❖ **30 जून, 2019** को **छबड़ा (बारां) थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट 2320 मेगावाट** कुल अधिष्ठापित विद्युत उत्पादन क्षमता के साथ **'राज्य का प्रथम सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट'** बन गया है।
- ❖ राज्य में **12वीं पंचवर्षीय योजना (2012-17)** में **ऊर्जा क्षेत्र** में सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ कुल राशि का **36.92%** व्यय किया गया।
- ✧ पहली सौर ऊर्जा नीति 19 अप्रैल, 2011 को लागू की गई थी।

राजस्थान सौर ऊर्जा नीति, 2019

- ✧ 18 दिसम्बर, 2019 से लागू की गई।
- ✧ लक्ष्य – 2024-25 तक प्रदेश में 30,000 MW क्षमता तक सोलर एनर्जी क्षमता सृजित करने का लक्ष्य रखा है।

राजस्थान पवन व हाइब्रिड ऊर्जा नीति, 2019

- ✧ लागू - 18 दिसम्बर 2019 से

उद्देश्य - पवन ऊर्जा की अधिकतम क्षमता का दोहन करने के लिए सक्षम वातावरण तैयार करना है।

लक्ष्य - 2024-25 तक 4000 MW पवन ऊर्जा क्षमता सर्जित करना व 3500 MW हाइब्रिड परियोजनाओं का लक्ष्य रखा है।

प्रदेश की नई ऊर्जा नीति

- ✧ राज्य में ऊर्जा क्षेत्र के समग्र विकास हेतु 30 वर्षों के लिए पर्याप्त ऊर्जा उपलब्धता के उद्देश्य से ऊर्जा नीति-2021-2050 तैयार कर जारी करने की घोषणा 9 फरवरी 2022 को की है।
- ❖ राज्य में प्रतिवर्ष **14 दिसम्बर** को **ऊर्जा संरक्षण दिवस** मनाया जाता है।
- ❖ **जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर** जिलों को **सौर ऊर्जा उद्यम जोन** (SEEZ) में शामिल किया गया है। इन जिलों में **सौर ऊर्जा उत्पादन की सर्वाधिक सम्भावना** पायी जाती है।
- ❖ **नेष्था** आधारित विद्युत गृह की स्थापना **धौलपुर** में की गई।
- ❖ **मेड़ता रोड** (नागौर) में देश का **प्रथम भूमिगत गैस बिजलीघर** प्रस्तावित है।

ऊर्जा की अधिष्ठापित क्षमता

1.	**राज्य की स्वयं/भागीदारी की परियोजनाएँ—**	
	(अ) तापीय –	7830.00 MW
	(ब) जल विद्युत –	1017.27 MW
	(स) गैस –	603.50 MW
	कुल –	**9450.79 MW**
2.	**केन्द्रीय परियोजनाओं से राज्य को आवंटित—**	
	(अ) तापीय –	1903.46 MW
	(ब) जल विद्युत –	740.66 MW
	(स) गैस –	221.10 MW
	(द) परमाणु –	456.74 MW
	कुल –	**3321.96 MW**
3.	**आर.आर.ई.सी., RSMML एवं निजी क्षेत्र पवन ऊर्जा/ बायोमास/सौर ऊर्जा परियोजनाएँ—**	
	(अ) पवन ऊर्जा –	3737.10 MW
	(ब) बायोमास ऊर्जा –	101.95 MW
	(स) सौर ऊर्जा –	2970.60 MW
	(द) तापीय/जलविद्युत –	3742.00 MW
	कुल योग =	**10548.65 MW**
	सकल योग (1+2+3) =	**23321.40 MW**

- ❖ राजस्थान राज्य द्वारा उपभोग की गई विद्युत का **आधे से अधिक** भाग **ताप विद्युत** (थर्मल पॉवर) परियोजनाओं द्वारा प्राप्त होता है।
- ❖ ताप विद्युत परियोजनाएँ परम्परागत **जैविक खनिजों** (कोयला, गैस, तेल) पर निर्भर होती है।
- ❖ राज्य में सर्वाधिक विद्युत **सूरतगढ़ सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन** से (1500 MW) प्राप्त की जाती है।

राजस्थान में ऊर्जा के स्रोत

1. परम्परागत (अनवीकरणीय) ऊर्जा स्रोत—**ताप विद्युत** (कोयला, तेल, गैस), **जल विद्युत** और **परमाणु ऊर्जा।**
2. गैर परम्परागत (नवीकरणीय) ऊर्जा स्रोत—**पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा, बायोगैस** (गोबर गैस से उत्पन्न), **बायोमास** (वनस्पति अवशिष्ट से उत्पन्न) और **भूतापीय ऊर्जा।**

राजस्थान नवीकरणीय ऊर्जा निगम लिमिटेड (RRECL)

राजस्थान ऊर्जा विकास अभिकरण-REDA (1985 में स्थापित) एवं राजस्थान राज्य ऊर्जा निगम लिमिटेड (RSECL) इन दोनों संस्थाओं का विलय करके 9 अगस्त, 2002 में **राजस्थान नवीकरणीय ऊर्जा निगम लिमिटेड (RRECL)** की स्थापना की गयी है। यह निगम राजस्थान में ऊर्जा के नवीकरणीय या गैर-परम्परागत स्रोतों के बारे में चली आ रही गतिविधियों एवं क्रार्यक्रमों में समन्वय स्थापित करने का कार्य करती है।

राजस्थान की प्रमुख ताप विद्युत परियोजनाएँ

(A) राजस्थान के स्वयं के स्वामित्व वाली ताप विद्युत परियोजनाएँ		
1.	**सूरतगढ़ सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर स्टेशन (ठुकराणा गाँव, सूरतगढ़, गंगानगर)**	❖ राज्य का **प्रथम सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन।** ❖ कार्यरत इकाइयाँ—6 × 250 मेगावाट = **1500 MW** (कुल स्थापित क्षमता) —2 × 660 मेगावाट (7वीं व 8वीं इकाई) (1320 MW) ❖ प्रस्तावित इकाइयाँ—2 × 660 मेगावाट (9वीं व 10वीं इकाई) ❖ कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता —2820 मेगावाट है। ❖ राजस्थान में सर्वाधिक स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता वाला पॉवर प्लांट है।
2.	**कोटा सुपर थर्मल पावर स्टेशन (कोटा)**	❖ राज्य का **दूसरा सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन। ● राज्य में कोयला आधारित प्रथम ऊर्जा उत्पादन केन्द्र।** ❖ पहली, दूसरी इकाई—2 × 110 = 220 MW ❖ तीसरी, चौथी, पाँचवीं इकाई—3 × 210 = 420 MW ❖ छठी व **सातवीं** इकाई—2 × 195 = 390 MW ❖ वर्तमान में कुल उत्पादन क्षमता—**1240 मेगावाट।**
3.	**छबड़ा थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट चौकी (चौकी मोतीपुरा गाँव छबड़ा, बारां)**	❖ कार्यरत इकाइयाँ—4 × 250 मेगावाट = 1000 MW • 2 × 660 = 1320 MW ❖ **राज्य का तीसरा सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन** ❖ (कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता-**2320 MW**) ❖ **30 जून, 2019** को पाँचवीं व छठी इकाईयाँ (660 × 2 = 1320 MW) प्रारम्भ होने पर यह राज्य का पहला **सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर** बन गया है। ❖ यहाँ पर कोयले की आपूर्ति **छत्तीसगढ़** से हो रही है।
4.	**काली सिंध थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट, झालावाड़**	❖ निर्माणाधीन इकाइयाँ—2 × 600 MW = 1200 मेगावाट (पहली व दूसरी इकाई) ❖ प्रस्तावित इकाइयाँ—2 × 660 MW = 1320 (तीसरी व चौथी इकाई) ❖ तीसरी व चौथी इकाई प्रारम्भ होने पर यह **सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर** बन जायेगा। ❖ यहाँ कोयले की आपूर्ति **छत्तीसगढ़** से की जायेगी।
5.	**बाँसवाड़ा सुपर क्रिटिकल ताप गृह, दानपुर (बाँसवाड़ा)**	❖ **प्रस्तावित** इकाइयाँ—2 × 660 MW = 1320 MW (पहली व दूसरी इकाई) ❖ यह परियोजना निजी क्षेत्र में होगी।
6.	**गिरल लिग्नाइट थर्मल पॉवर प्लांट (थुम्बली, बाड़मेर)**	❖ वर्ष **2007** में प्रारम्भ यह राज्य का प्रथम **लिग्नाइट आधारित गैसीय** विद्युत गृह है। ❖ इसका निर्माण केएलएफ **जर्मनी** के सहयोग से किया जा रहा है। ❖ इकाइयाँ—2 × 125 MW = **250 MW**
7.	**भादरेस** (JSW) **लिग्नाइट सुपर थर्मल पॉवर प्लांट** (बाड़मेर)	❖ बाड़मेर लिग्नाइट माइनिंग कम्पनी लि. (RSMML व राजवेस्ट पॉवर लि. की संयुक्त कम्पनी) द्वारा संचालित। ❖ कार्यरत इकाइयाँ—8 × 135 MW = **1080 MW**
8.	**कपूरड़ी-जालिपा थर्मल पॉवर प्लांट** (बाड़मेर)	❖ **लिग्नाइट आधारित** ताप विद्युत परियोजना, जो बाड़मेर जिले के कपूरड़ी व जालिपा में स्थापित की है। ❖ कुल स्थापित क्षमता 8 × 125 = **1000 MW** है।
9.	**बरसिंगसर थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट** (बीकानेर)	❖ नैवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन द्वारा बीकानेर के बरसिंगसर में **लिग्नाइट आधारित परियोजना।** ❖ क्षमता—2 × 125 MW = **250 मेगावाट।**
10.	**गुढ़ा** (VS) **थर्मल पॉवर प्रोजेक्ट** (बीकानेर)	❖ राज्य में निजी क्षेत्र की प्रथम **लिग्नाइट आधारित** विद्युत परियोजना। ❖ **मरूधरा कम्पनी** (केएसके एनर्जी वेंचर्स) द्वारा स्थापित। ● क्षमता - **135 मेगावाट।**
11.	**कवई सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत ग्रह, बारां (निजी क्षेत्र की)**	❖ कार्यरत इकाईयाँ—2 × 660 MW = **1320 मेगावाट।** ❖ इससे राजस्थान को **1200 मेगावाट** विद्युत प्राप्त हो रही है। ❖ यह अडानी पॉवर राजस्थान लिमिटेड का निजी क्षेत्र का है।

(B) अन्तरराज्यीय भागीदारी वाली ताप विद्युत परियोजनाएँ		
1.	**सिंगरौली ताप परियोजना शक्तिनगर, सोनभद्र (उ.प्र.)**	☯ संचालित-राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (NTPC) ☯ कुल क्षमता—**2015** (2000 + 15 सोलर) **MW** ☯ **राजस्थान का हिस्सा—300 MW (15%)**
2.	**रिहन्द ताप परियोजना, रेणुकूट, सोनभद्र (उ.प्र.)**	☯ संचालित—NTPC, क्षमता—6 × 500 MW = **3000 MW** ☯ **राजस्थान का हिस्सा**—300 MW (प्रथम चरण 9.5%, द्वितीय चरण 10%)
3.	**ऊँचाहार ताप परियोजना, रायबरेली (उ.प्र.)**	☯ कुल क्षमता—1050 MW ☯ राजस्थान का हिस्सा—81 MW
4.	**सतपुड़ा ताप परियोजना, बैतूल (म.प्र.)**	☯ कुल क्षमता—1330 MW ☯ राजस्थान का हिस्सा—532 MW (40%)
5.	**कहलगाँव ताप परियोजना, भागलपुर (बिहार)**	☯ कुल क्षमता—2340 MW ☯ राजस्थान का हिस्सा—113.72 MW (4.86%)

राजस्थान से सम्बन्धित प्रमुख जल विद्युत परियोजनाएँ

क्र. सं.	परियोजना	नदी	हिस्सेदार राज्य	राज्य का अंश
1.	**भाखड़ा नांगल**	**सतलज**	**पंजाब, हरियाणा, राजस्थान**	**15. 2%** (227 MW)
2.	**व्यास परियोजना**	**व्यास**	**पंजाब, हरियाणा, राजस्थान**	**20%** (422 MW)
3.	**चम्बल परियोजना**	**चम्बल**	**मध्यप्रदेश, राजस्थान**	**50%** (193 MW)
4.	**राहुघाट परियोजना** (म.प्र.)	**चम्बल**	मध्यप्रदेश, राजस्थान	**50%** (135 MW)
5.	**टिहरी परियोजना (उत्तराखण्ड)**	**भागीरथी**	उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, राजस्थान	**7.5%** (75 MW)
6.	**सलाल परियोजना, उधमपुर** (J & K)	**चिनाब**	जम्मू-कश्मीर, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, चंडीगढ़	**2.95%** (20 MW)
7.	**चमेरा परियोजना, चम्बा** (हि.प्र.)	**चमेरा**	हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, चंडीगढ़	**8.6%** (29 MW)
8.	**उरी परियोजना, बारामूला** (J & K)	**उरी**	जम्मू-कश्मीर, उत्तरप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, चंडीगढ़	**8.96%** (43 MW)
9.	**टनकपुर परियोजना** बम्बासा (उत्तराखण्ड)	**शारदा**	उत्तराखण्ड, जम्मू-कश्मीर, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, चंडीगढ़।	**9.57%** (11 MW)
10.	**नाथपा झाकरी** (हि.प्र.)	**सतलज**	हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, चंडीगढ़।	**7.47%** (112 MW)
11.	**पार्वती परियोजना** कुल्लू, (हि.प्र.)	**पार्वती**	हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, दिल्ली।	**13.7%** (282 MW)
12.	**दुलहस्ती परियोजना** डोडा (J & K)	**दुलहस्ती**	जम्मू-कश्मीर, उत्तरप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, चंडीगढ़।	**18.18%** (42 MW)
13.	**धौली गंगा** पिथोरागढ़ (उत्तराखण्ड)	**धौलीगंगा**	उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली।	**9.64%** (27 MW)
14.	**माही परियोजना** बोरखेड़ा (बांसवाड़ा)	**माही**	राजस्थान, गुजरात	**100%** (140 MW)
15.	**अनास परियोजना** बांसवाड़ा	**अनास, हरण**	राजस्थान	**100%** (45 MW)
16.	**जाखम परियोजना,** प्रतापगढ़	**जाखम**	राजस्थान	**100%** (5.5 MW)

पवन ऊर्जा

- भारत में **तमिलनाडु**, महाराष्ट्र, गुजरात, एवं कर्नाटक राज्यों के पश्चात् पवन ऊर्जा उत्पादन की **सर्वाधिक सम्भाव्य क्षमता** वाला **राजस्थान पाँचवाँ राज्य** है।
- राजस्थान में पवन ऊर्जा का प्रथम संयंत्र **अमर सागर (जैसलमेर)** में वर्ष **1999** में लगाया गया।
- राज्य में सबसे बड़ा पवन ऊर्जा संयंत्र **सोढ़ा बाँधव (जैसलमेर)** में है।
- राज्य में निजी क्षेत्र की प्रथम पवन ऊर्जा परियोजना **बड़ा बाग (जैसलमेर)** में **2001** में शुरू की गई।
- भारत का दूसरा **सबसे बड़ा पवन ऊर्जा पार्क जैसलमेर** में वर्ष **2001** में **सुजलोन एनर्जी नामक कम्पनी** द्वारा स्थापित किया गया है।

राजस्थान की महत्त्वपूर्ण पवन ऊर्जा परियोजनाएँ

स्थान	जिला	क्षमता	स्थापना	सम्बन्धित संस्था
अमर सागर	जैसलमेर	2 MW	1999	राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम
देवगढ़	प्रतापगढ़	2.25 MW	2000	राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम
बड़ा बाग	जैसलमेर	2.76 MW	2001	मैसर्स कालानी इण्डस्ट्रीज, इंदौर
बीठड़ी	जोधपुर	2.10 MW	2001	राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम
बड़ा बाग	जैसलमेर	4.9 MW	2001	रा.राज्य खान व खनिज लि.
बड़ा बाग	जैसलमेर	4.9 MW	2002	रा.राज्य खान व खनिज लि.
बड़ा बाग	जैसलमेर	5 MW	2004	रा.राज्य खान व खनिज लि.
सोढ़ाबाँधव	जैसलमेर	25 MW	2004	राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम
हर्ष पर्वत	सीकर	12 MW	2004	एयरकॉन कम्पनी
आकल	जैसलमेर	10.2 MW	2006	राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम
पोहरा	जैसलमेर	10.2 MW	2010	राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम

सौर ऊर्जा

- राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के अनुसार राजस्थान में सितम्बर, 2021 तक **5002** मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता सृर्जित की जा चुकी है।
- **अप्रैल, 2011** में राजस्थान में **प्रथम सौर ऊर्जा नीति** को मंजूरी दी गई, ऐसा करने वाला **राजस्थान पहला राज्य** है।
- विश्व का सबसे बड़ा सोलर पार्क **भड़ला (फलौदी), जोधपुर** में स्थित है। (2245 मेगावाट)
- **खींवसर (नागौर)** में राजस्थान की निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी (5 MW) सौर विद्युत परियोजना शुरू की गई है।
- **मथानिया (जोधपुर)** में देश का प्रथम (140 MW) का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है।
- **उदयपुर** की पिछोला झील में **विश्व की पहली सौर ऊर्जा संचालित नाव** चलाई गई।
- **नया गाँव (जयपुर)** राज्य का प्रथम **सौर ऊर्जा विद्युतीकृत गाँव** है।
- **बालेसर (जोधपुर)** में राज्य का पहला सौर ऊर्जा आधारित फ्रिज लगाया गया।
- **मनोहरपुरा (जयपुर)** में राज्य का पहला सौर ऊर्जा संचालित ATM लगाया गया।
- **कुसुम (प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान) योजना** के तहत **33 केवी** ग्रिड सब स्टेशन के **5 किमी** के दायरे में किसानों द्वारा स्वयं की बंजर एवं कृषि भूमि पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाये जाते हैं। यह योजना **राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम** द्वारा संचालित की जा रही है।

राजस्थान में सौर ऊर्जा उत्पादन के प्रमुख केन्द्र

- **जैसलमेर**—धूड़सर, फतेहगढ़, नेड़ान, सत्तासर, सावता, नोख।
- **जोधपुर**—भड़ला, मथानिया।
- **बीकानेर**—जलवाली।
- **नागौर**—खींवसर।
- **जयपुर**—फागी।
- **बाड़मेर**—गूँगा।

परमाणु ऊर्जा

1.	**परमाणु शक्ति गृह (RAPS) रावतभाटा** (जिला-चित्तौड़गढ़) (राज्य का अंश 412.74 MW है)	☯ यह **राजस्थान का प्रथम परमाणु शक्ति गृह** है। यह भारत सरकार के **परमाणु ऊर्जा विभाग** के NPCIL के अधीन कार्य करता है। ☯ यह **नाभिकीय ऊर्जा निगम** द्वारा संचालित है। ☯ इसे **1963-1965** में **कनाडा** के सहयोग से स्थापित किया गया, उत्पादन **1973** में शुरू हुआ। ☯ इसमें प्रयुक्त **भारी पानी** (D_2O) यहीं पर बनता है। ☯ कार्यरत इकाइयाँ—6, विद्युत उत्पादन—1180 MW ☯ निर्माणाधीन इकाइयाँ—2×700=1400 MW
2.	**नरौरा** (जिला-बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश)	☯ देश का चौथा परमाणु शक्ति गृह। (1991 में प्रारम्भ) ☯ कुल क्षमता—440 MW, राजस्थान का हिस्सा—**9.2%**
3.	**नापला** (बाँसवाड़ा)	☯ 700 मेगावाट उत्पादन क्षमता युक्त **राज्य का दूसरा परमाणु बिजलीघर बाँसवाड़ा में प्रस्तावित** है।

गैस विद्युत आधारित ऊर्जा परियोजनाएँ

1.	**रामगढ़ गैस विद्युत परि.** **रामगढ़** (जैसलमेर)	☯ यह राज्य की **स्वयं की प्रथम** गैस आधारित परियोजना है। ☯ इसकी कुल स्थापित क्षमता 273.5 MW है। ☯ यहाँ 50 MW की भाप आधारित इकाई निर्माणाधीन है।
2.	**अंता गैस विद्युत परि.** अंता (बारां)	☯ राज्य में स्थापित **प्रथम गैस आधारित** विद्युत परियोजना है। इसका संचालन NTPC करती है। ☯ कुल क्षमता—419.33 MW, राजस्थान का हिस्सा—19.81%
3.	**धौलपुर गैस प्लांट परि.** (धौलपुर)	☯ धौलपुर गैस कम्बाइंड साइक्लिंग पॉवर **प्लांट गैस** पर आधारित राज्य की तीसरी परियोजना है। ☯ कार्यरत इकाइयाँ—3×110 = 330 MW
4.	**झामर कोटड़ा** (उदयपुर)	☯ यह गैस आधारित परियोजना 2001 में RSMML द्वारा स्थापित की गई। इसकी क्षमता 4 MW है।
5.	**केशोरायपाटन** (बूँदी)	☯ यहाँ निजी क्षेत्र में राज्य की पहली गैस आधारित 1000 MW की विद्युत परियोजना निर्माणाधीन है।
6.	**बागीदौरा** (बाँसवाड़ा)	☯ सांग डूंगरी गाँव में गैस परियोजना निर्माणाधीन है।
7.	**औरेया** (उ.प्र.)	☯ कुल क्षमता—663 MW, राजस्थान का हिस्सा—9.2%
8.	**दादरी** (उ.प्र.)	☯ कुल क्षमता—830 MW, राजस्थान का हिस्सा—9.3%

बायोमास ऊर्जा

❖ राजस्थान में बायोमास ऊर्जा बनाने के लिए में **विलायती बबूल, चावल की भूसी, गन्ने की सीठी, कपास के डण्ठल, सरसों की तूड़ी** इत्यादि का प्रयोग होता है।

❖ राज्य का पहला बायोमास **संयंत्र पद्मपुर** (**गंगानगर**) में स्थापित किया गया है।

❖ राजस्थान में स्थित बायोमास संयंत्र—**पद्मपुर** (गंगानगर), **रंगपुर** (कोटा), **कथौली** (टोंक), **कोटपूतली** (जयपुर), **चंदेलिया** (चित्तौड़गढ़), **सांचोर** (जालोर), **मेड़ता** (नागौर), **नोला बाँस** (अजमेर), **बालोतरा** (बाड़मेर), **संगरिया** (हनुमानगढ़), **अलवर, भरतपुर, सवाईमाधोपुर**।

❖ **नवीन बायोमास प्लांट अनुमोदित** –

- सीकर जिले के धोंद में – 14.9 MW – मैसर्स वी.सी. पॉवर प्रा. लि.
- हनुमानगढ़ के डूंगराना में – 14.9 MW – मैसर्स TNA रिन्युबल एनर्जी प्रा.लि.।
- जोधपुर के शैतानसिंह नगर, लोहावट में – 8MW – मैसर्स नैनो एनर्जी प्रा.लि.।

बायोगैस ऊर्जा

❖ राजस्थान में सर्वाधिक बायोगैस संयंत्र **उदयपुर** जिले में स्थित है।

❖ बायोगैस में **मीथेन (65%)**, **कार्बन–डाई–ऑक्साइड** (30%) और **हाइड्रोजन** (1.2%) गैसें मिश्रित होती है।

बजट 2022-23 में की गई घोषणाएँ

(1) छबड़ा तापीय विद्युत गृह में - 660–660 MW की दो इकाईयों की स्थापना की जाएगी।

(2) कालीसिंध-झालावाड़ तापीय विद्युत परियोजना में - अल्ट्रा क्रिटिकल तकनीक आधारित 800 MW की तीसरी इकाई की स्थापना।

(3) गुढ़ा-बीकानेर में 125 MW की लिग्नाइट कोयला आधारित तापीय विद्युत परियोजना स्थापित की जाएगी।

(4) राज्य में ऊर्जा वितरण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण किए जाने हेतु धौलपुर व उदयपुर में 400-400 KV ग्रिड सब स्टेशन स्थापित किए जायेंगे।

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. राजस्थान विद्युत नियामक आयोग का गठन कब किया गया?
(A) 2 जनवरी, 2000 को (B) 1 मार्च, 2001 को
(C) 4 फरवरी, 2002 को (D) 18 अप्रैल, 2004 को **[A]**

2. राजस्थान का सबसे बड़ा पॉवर प्रोजेक्ट है—
(A) सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर) (B) छबड़ा (बारां)
(C) कोटा (D) कालीसिंध (झालावाड़) **[B]**

3. राजस्थान विद्युत क्षेत्र सुधार अधिनियम, 1999 (1 जून, 2000 से लागू) के तहत 19 जुलाई, 2000 को 'राजस्थान राज्य विद्युत मण्डल' का विघटन कितनी कम्पनियों में कर दिया गया है?
(A) दो (B) तीन (C) पाँच (D) आठ **[C]**

4. राजस्थान में सबसे अधिक विद्युत किस प्रकार की परियोजनाओं से प्राप्त होती है?
(A) गैसीय (B) आण्विक (C) जलविद्युत (D) तापीय **[D]**

5. राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम की स्थापना कब की गई?
(A) 1998 (B) 1999 (C) 2002 (D) 2004 **[C]**

6. चम्बल परियोजना (राजस्थान–मध्य प्रदेश) में तीन बाँधों पर कुल 12 विद्युत गृह बनाये गये हैं। इनमें से सर्वाधिक 5 विद्युत गृह किस बाँध पर बनाये गये हैं?
(A) गाँधीसागर बाँध (B) जवाहरसागर बाँध
(C) राणाप्रताप सागर बाँध (D) कोटा बैराज **[A]**

7. राजस्थान में 'गैर–परम्परागत ऊर्जा स्रोतों' से विद्युत उत्पादन हेतु नवीनतम नीति किस वर्ष घोषित की गई?
(A) 2000 (B) 2002 (C) 2004 (D) 2006 **[C]**

8. सलाल जल विद्युत परियोजना (जम्मू–कश्मीर) में राजस्थान राज्य की भागीदारी कितनी है?
(A) 7.5% (B) 12.5% (C) 3% (D) 6% **[C]**

9. राज्य का प्रथम 'सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन' है?
(A) कोटा (B) चन्देरिया (C) सूरतगढ़ (D) अन्ता **[C]**

10. राजस्थान में गैस आधारित प्रथम विद्युत परियोजना कहाँ पर स्थापित की गई है?

(A) रामपुरा (जयपुर) (B) रामगढ़ (जैसलमेर)
(C) अन्ता (बाराँ) (D) पलाना (बीकानेर) **[C]**

11. 'अन्ता गैस विद्युत परियोजना' (बाराँ) को गैस की आपूर्ति किस पाइप लाईन द्वारा की जाती है?
(A) हजीरा–जगदीशपुर पाइप लाईन (B) कांडला–पठानकोट पाइप लाईन
(C) दिल्ली–मुम्बई पाइप लाईन (D) बरौनी–नाहरकटिया पाइप लाईन **[A]**

12. राजस्थान परमाणु शक्तिगृह, रावतभाटा किस जिले में स्थित है?
(A) कोटा (B) बारां (C) चित्तौड़गढ़ (D) झालावाड़ **[C]**

13. राजस्थान में स्थापित पवन ऊर्जा संयंत्रों एवं सम्बन्धित जिलों का कौनसा जोड़ा सुमेलित नहीं है?
(A) हर्ष पर्वत — सीकर
(B) फलौदी — बाड़मेर
(C) बड़ा बाग — जैसलमेर
(D) सोढ़ा बान्धव — जैसलमेर **[D]**

14. राज्य का 'बायोमास' आधारित प्रथम विद्युत संयंत्र कहाँ लगाया गया है?
(A) रावतभाटा (चित्तौड़गढ़) (B) अन्ता (बाराँ)
(C) पीपली कलां (झालावाड़) (D) पदमपुरा (श्रीगंगानगर) **[D]**

15. 'विलायती बबूल' से विद्युत उत्पादन करने का संयंत्र राज्य में कहाँ लगाया जा रहा है?
(A) जयपुर (B) बाड़मेर (C) नागौर (D) अजमेर **[D]**

16. निम्न में से कहाँ पर नेप्था आधारित विद्युत परियोजना निर्माणाधीन है?
(A) सीकर (B) धौलपुर (C) बाड़मेर (D) पाली **[B]**

17. सौर ऊर्जा की विपुल संभावनाओं को देखते हुए राज्य के किन जिलों को SEEZ (Solar Energy Enterprising Zone) की संज्ञा दी गई है?
(A) जयपुर, दौसा एवं अलवर (B) बाड़मेर, जालौर एवं पाली
(C) बाड़मेर, जैसलमेर एवं जोधपुर (D) कोटा, झालावाड़ एवं बारां **[C]**

18. राजस्थान में कहाँ पर 100 किलोवाट का 'सोलर फोटो वॉल्टेइक' आधारित ग्रिड इन्टरएक्टिव सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया गया है?
(A) गौरीर (झुँझुनूँ) (B) रामपुरा (भीलवाड़ा)
(C) जालिया (बाड़मेर) (D) खोर (सवाई माधोपुर) **[A]**

19. राज्य में 12वीं पंचवर्षीय योजना में सर्वाधिक व्यय ऊर्जा पर किया जायेगा। यह व्यय प्रतिशत है?
(A) 42.12% (B) 36.92%
(C) 28.83% (D) 21.29% **[B]**

20. राज्य में सबसे अधिक क्षमता का विद्युत केन्द्र कहाँ कार्यरत है?
(A) कोटा (B) सूरतगढ़ (C) छबड़ा (D) बाँसवाड़ा **[B]**

21. सूरतगढ़ सुपर थर्मल पॉवर स्टेशन की वर्तमान अधिष्ठापित विद्युत क्षमता हैं?
(A) 1750 मेगावाट (B) 2500 मेगावाट
(C) 1500 मेगावाट (D) 2250 मेगावाट **[C]**

22. राज्य में लिग्नाइट आधारित विद्युत परियोजना है?
(A) कपूरड़ी (B) भादरेस
(C) गुढ़ा (D) उपर्युक्त सभी **[D]**

23. राजस्थान में पवन ऊर्जा उत्पादन हेतु स्थापित प्रथम संयंत्र है?
(A) अमरसागर (B) देवगढ़ (C) बीठड़ी (D) रायसर **[A]**

24. राज्य में प्रथम सौर ऊर्जा नीति मंजूर की गई?
(A) मार्च, 2010 (B) अप्रैल, 2011
(C) मई, 2012 (D) जून, 2013 **[B]**

25. राजस्थान में निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी सौर विद्युत परियोजना कहाँ पर स्थित है?
(A) मथानिया (B) फलौदी (C) खींवसर (D) बालेसर **[C]**

26. राज्य में गैस आधारित प्रथम विद्युत परियोजना है?
(A) रामगढ़ (B) अंता
(C) धौलपुर (D) झामर कोटड़ा **[B]**

27. राजस्थान में परमाणु शक्ति गृह किस जिले में स्थित है?
(A) कोटा (B) बारां (C) बूँदी (D) चित्तौड़गढ़ **[D]**

28. देश का प्रथम और सबसे बड़ा मिश्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थित है?
(A) मथानिया (B) बालेसर (C) डीडवाना (D) बाप **[A]**

29. बरसिंगसर विद्युत परियोजना किस पर आधारित है?
(A) गैस (B) लिग्नाइट (C) तेल (D) भूतापीय **[B]**

30. राजस्थान में वर्तमान अधिष्ठापित विद्युत क्षमता का सही अवरोही क्रम है
(A) तापीय विद्युत–पवन ऊर्जा–सौर ऊर्जा–जल विद्युत
(B) जल विद्युत–सौर ऊर्जा–तापीय विद्युत–पवन ऊर्जा
(C) पवन विद्युत–सौर ऊर्जा–तापीय विद्युत–जल ऊर्जा
(D) कोई भी क्रम सही नहीं है। **[A]**

31. राजस्थान के निर्माण के समय एवं वर्तमान में (मार्च, 2020 तक) कुल अधिष्ठापित विद्युत क्षमता में कितने गुना की वृद्धि हुई है?
(A) 890 गुना (B) 950 गुना
(C) 1228 गुना (D) 1646 गुना **[D]**

32. राजस्थान की भागीदारी वाली जल विद्युत परियोजनाओं एवं सम्बन्धित राज्य का कौनसा युग्म सुमेलित नहीं है?
(A) टिहरी परियोजना—उत्तराखण्ड
(B) नाथपा झाकरी परियोजना—हिमाचल प्रदेश
(C) दुलहस्ती परियोजना—पंजाब
(D) उरी परियोजना—जम्मू–कश्मीर **[C]**

33. निम्न में से कौनसा कथन सत्य नहीं है?
(A) भाग्यम्, ऐश्वर्या, रागेश्वरी, कामेश्वरी, पूनम, मंगला इत्यादि राजस्थान में खनिज तेल क्षेत्रों (कुओं) के नाम है।
(B) सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए राजस्थान में सर्वाधिक उपयुक्त जिले जैसलमेर, जोधपुर एवं बाड़मेर है।
(C) राजस्थान में सर्वाधिक बायोगैस संयंत्र उदयपुर जिले में स्थापित किये गये हैं।
(D) राजस्थान का सबसे बड़ा खनिज तेल बेसिन 'बाड़मेर–सांचोर बेसिन' बाड़मेर, जोधपुर, जालोर एवं सिरोही जिलों में विस्तृत है। **[D]**

34. राज्य का वह जिला, जहाँ पर तापीय विद्युत के संयंत्र, पवन ऊर्जा के संयंत्र, सौर ऊर्जा के संयंत्र एवं खनिज तेल के कुएँ तेजी से विकसित हो रहे हैं—
(A) जालोर (B) पाली (C) बाड़मेर (D) जैसलमेर **[C]**

35. राजस्थान अणु शक्ति गृह, रावतभाटा के बारे में कौनसा कथन सत्य है?
(A) इसकी स्थापना वर्ष 1963 में कनाडा की तकनीकी सहायता से की गयी।
(B) यह राजस्थान का पहला परमाणु विद्युत गृह है।
(C) यह विद्युत गृह चित्तौड़गढ़ जिले में स्थित है।
(D) उपर्युक्त सभी कथन सही है। **[D]**

1 राजस्थान की खाद्य व व्यावसायिक फसलें [Food and Commercial Crops of Rajasthan]

खाद्य फसलें

❖ उपयोग की दृष्टि से भारतीय फसलों को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है—

(1) खाद्य फसलें

(2) नकदी अथवा व्यापारिक फसलें

(1) खाद्य फसलें

❖ वे फसलें जिनका उत्पादन मुख्यतः भोजन के लिए किया जाता है, खाद्य फसलें कही जाती हैं। इनमें अनाज व दालें दोनों शामिल हैं।

राजस्थान की खाद्य फसलें

❖ **अनाज** – बाजरा, गेहूँ, मक्का, जौ, ज्वार, चावल, रागी।

❖ **दालें** – चना, मूंग, मोठ, उड़द, अरहर, चँवला, मसूर, सोयाबीन, मटर।

(2) नकदी अथवा व्यापारिक फसलें

❖ इन फसलों के उत्पादन का मुख्य उद्देश्य इन्हें बेचकर धन प्राप्त करना होता है। किसान इन फसलों के उत्पादों को या तो सम्पूर्ण रूप से बेच देता है अथवा आंशिक रूप से उपयोग करता है तथा शेष बड़ा भाग बेच देता है।

उदाहरण – कपास, सरसों, तिल, मूँगफली, जूट, चाय, कॉफी, गन्ना, सोयाबीन, अलसी, रबड़, तम्बाकू आदि।

❖ नकदी या व्यापारिक फसलों को निम्न भागों में विभाजित किया जा सकता है –

तिलहन फसलें – सरसों, तिल, मूंगफली, अरंडी, सोयाबीन, अलसी, सूरजमुखी, तारामीरा आदि।

शर्करा फसलें – गन्ना, चुकन्दर आदि।

रेशे वाली फसलें – कपास, जूट (पटसन), सन, मेस्ता।

बागानी फसलें – चाय, कॉफी, नारियल, सुपारी, काजू, रबड़।

उद्दीपक फसलें – तम्बाकू, अफीम आदि।

बागवानी फसलें – फल, सब्जियाँ, मसाले, फूल आदि।

औषधीय फसलें – अश्वगंधा, आँवला, मूसली, बहेड़ा।

चारा फसलें – रिजका, बरसीम आदि।

राज्य की प्रमुख व्यापारिक (वाणिज्यिक) फसलें

❖ **तिलहन** – सरसों व राई, अरण्डी, तिल, मूँगफली, अलसी, तारामीरा, सोयाबीन, सूरजमुखी आदि।

❖ **मसाला फसलें** – जीरा, मेथी, धनिया, मिर्च, सौंफ, हल्दी, अदरक आदि।

❖ **रेशेदार फसलें** – कपास, सन।

❖ **औषधीय फसलें** – इसबगोल, अश्वगंधा, आँवला, गुग्गल, सफेद मूसली आदि।

❖ **अन्य फसलें** – गन्ना, ग्वार, तम्बाकू, अफीम, मेंहदी, गुलाब, फल एवं सब्जियाँ आदि।

❖ **नोट** – बारहमासी फसलें होती हैं – चाय, कॉफी, गन्ना, नारियल आदि।

❖ राजस्थान में तिलहन फसलों में सर्वाधिक उत्पादन राई व सरसों का, अनाज में गेहूँ का एवं दालों में सर्वाधिक उत्पादन चने का होता है जबकि दालों में सर्वाधिक कृषि क्षेत्रफल मूंग का है तथा तिलहनों में सर्वाधिक क्षेत्र पर राई व सरसों बोई जाती है।

❖ राजय में खरीफ फसलों सर्वाधिक क्षेत्र बाजरे का रबी फसलों में सर्वाधिक क्षेत्र गेहूँ का रहता है।

राजस्थान में कृषि : महत्वपूर्ण तथ्य

❖ राजस्थान में **168 लाख हैक्टेयर कुल कृषि योग्य भूमि** है जो राज्य के कुल क्षेत्रफल का लगभग **49%** है।

❖ राजस्थान की लगभग **70% आबादी** कृषि, पशुपालन व कृषि आधारित उद्योगों पर निर्भर है।

❖ भारत के कुल कृषित क्षेत्र का **13.27%** राजस्थान राज्य में स्थित है।

❖ राज्य के कुल कृषित क्षेत्रफल का लगभग **30%** भाग सिंचित है।

- राजस्थान के **सकल घरेलू उत्पाद** में **कृषि क्षेत्र** (पशुपालन, वानिकी, मत्स्यन सहित) का योगदान स्थिर कीमतों पर **29.45%** एवं प्रचलित मूल्यों पर **29.77%** है। (आर्थिक समीक्षा वर्ष 2020-21 के अनुसार)
- राजस्थान में वर्ष **2021-22** में **कृषि एवं संबंद्ध क्षेत्र** का सकल राज्य मूल्य वर्धन **(GSVA)** प्रचलित कीमतों पर कुल का **30.23%** था। इसमें फसल क्षेत्र का **45.94%,** पशुधन क्षेत्र का **46.25%** वानिकी एवं लॉगिंग (उल्काष्ठव) क्षेत्र का **7.44%** एवं मत्स्यन का **0.37%** सम्मिलित है। (आर्थिक समीक्षा वर्ष 2021-22 के अनुसार)
- राजस्थान में **कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र** का **सकल राज्य मूल्य वर्धन (GSVA)** स्थिर (2011-12) कीमतों पर वर्ष **2021-22** में **₹1.95 लाख करोड़** एवं प्रचलित मूल्यों पर **₹3.37 लाख करोड़** रहा है। (आर्थिक समीक्षा वर्ष 2021-22 के अनुसार)
- राजस्थान का **बाजरे** के उत्पादन व क्षेत्रफल दोनों दृष्टि से देश में **प्रथम स्थान** है।
- **राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान निदेशालय/केन्द्र/संस्थान, सेवर** (भरतपुर) में स्थित है।
- **राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र तबीजी गाँव** (अजमेर) में स्थित है।
- **खजूर उत्कृष्टता केन्द्र, सगरा भोजका (जैसलमेर)** में स्थापित किया गया है।
- राज्य का पहला **कृषि रेडियो स्टेशन भीलवाड़ा** में खोला गया।
- **कांगणी**—दक्षिणी राजस्थान के गरीब व आदिवासी शुष्क क्षेत्रों की एक विशेष फसल है। इसकी प्रमुख किस्में '**अर्जुन**' एवं '**गवरी**' है।
- भारत में **एम.एस. स्वामीनाथन** के प्रयासों से **1966-67** में **हरित क्रांति** शुरू हुई।
- राज्य का **जालौर** जिला **ईसबगोल, जीरा, टमाटर** व **बेदाना अनार** के उत्पादन में अग्रणी एवं प्रसिद्ध है।
- राज्य में निजी क्षेत्र की पहली कृषि मंडी **कैथून (कोटा)** में खोली गई।
- **डूँगरपुर** को वर्ष **2017** में **राजस्थान का पहला जैविक जिला** घोषित किया गया है। भारत का प्रथम घोषित जैविक राज्य **सिक्किम** है।

राजस्थान के भीषण अकाल

राजस्थान में सबसे भंयकर त्रिकाल '**छप्पनिये का काल**' **वि.सं. 1956** (**1899 ई.**) में पड़ा। यह एक त्रिकाल था, जिसमें **जल, अन्न** एवं **चारे** तीनों की कमी हो गयी थी। इसके अलावा **चालीसे का अकाल** (1783 ई.) एवं **पंचकाल** (1812-13 ई.) भी कुख्यात है।

- राजस्थान **धनिया, जीरा व मेथी** के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है।
- राज्य में सर्वाधिक फल **गंगानगर** और सर्वाधिक मसाले **बारां** में उत्पादित होते हैं। किन्नू उत्पादन के लिए '**श्रीगंगानगर**' जिला देशभर में प्रसिद्ध है।
- **जालौर** जिले में विश्व का **40% ईसबगोल** उत्पादित होता है। स्थानीय बोली में इसे '**घोड़ाजीरा**' कहते हैं। इसकी **भूसी** औषधीय महत्व की होती है।
- **केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान केन्द्र (काजरी)** जोधपुर में स्थित है।
- **शुष्क वन अनुसंधान संस्थान** (AFRI) **जोधपुर** में स्थित है।
- राज्य में बायो डीजल के लिए **जेट्रोफा** (रतनजोत) पौधे की कृषि की जाती है।
- रेगिस्तान में इजराइल की सहायता से **होहोबा (जोजोबा)** की कृषि की जाती है।
- राजस्थान में **अमेरिकन कपास** का सर्वाधिक उत्पादन **श्रीगंगानगर** जिले में होता है।
- राज्य कृषि अनुसंधान संस्थान **दुर्गापुरा** (जयपुर) में स्थित है।
- केन्द्रीय कृषि फार्म **सूरतगढ़** (गंगानगर) **एशिया का सबसे बड़ा कृषि फार्म** है।
- राजस्थान में वर्तमान में **पाँच कृषि विश्वविद्यालय** हैं—
  (i) **स्वामी केशवानंद कृषि वि.वि., बीकानेर**
  (ii) **महाराणा प्रताप कृषि व तकनीकी वि.वि., उदयपुर**
  (iii) **कृषि वि.वि., जोधपुर**
  (iv) **कृषि विश्वविद्यालय, कोटा**
  (v) **कर्ण नरेन्द्र कृषि वि.वि., जोबनेर** (जयपुर)।
- केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र उद्यानिकी अनुसंधान केन्द्र **बीकानेर** में स्थित है।

राजस्थान में महत्त्वपूर्ण फसलें : एक नजर में

फसल	सर्वाधिक क्षेत्रफल वाला जिला 2020-21	सर्वाधिक उत्पादन वाला जिला	विशेष विवरण
बाजरा	बाड़मेर	**अलवर**	❖ राज्य के 1/4 कृषि क्षेत्र में बोई जाती है। ❖ राज्य का उत्पादन व क्षेत्रफल दोनों में **देश में प्रथम स्थान।**
चावल	बूँदी	**बूँदी**	❖ हनुमानगढ़, गंगानगर, बाराँ, बूँदी व कोटा मुख्य उत्पादक।
गेहूँ	हनुमानगढ़	**हनुमानगढ़**	❖ सर्वाधिक उत्पादन गंगानगर में।
मक्का	भीलवाड़ा	**चित्तौड़गढ़**	❖ किस्में—माही कंचन, माही धवल, सविता।
ज्वार	अजमेर	**अजमेर**	❖ उत्पादन में देश में पाँचवाँ स्थान। (सर्वाधिक-महाराष्ट्र)
जौ	गंगानगर	**गंगानगर**	❖ उत्पादन व क्षेत्रफल में देश में दूसरा स्थान।
कुल अनाज	बाड़मेर	**अलवर**	❖ क्षेत्रफल में तीसरा, उत्पादन में सातवाँ स्थान। (सर्वाधिक उत्पादन-उत्तरप्रदेश)
मोठ	बीकानेर	**बाड़मेर**	❖ राज्य में दलहनी फसलों में सर्वाधिक क्षेत्रफल, बीकानेरी भुजिया निर्माण।
चना	बीकानेर	**बीकानेर**	❖ उत्पादन में राजस्थान का देश में दूसरा स्थान।
मूँग	नागौर	**नागौर**	❖ मूँग का स्थानीय नाम 'हरिया'।
उड़द	बूँदी	**टोंक**	❖ **भूमि की उर्वरता** बढ़ाती है।
चँवला	झुँझुनूँ	**झुँझुनूँ**	❖ इसे चौला भी कहते हैं।
अरहर	बाँसवाड़ा	**बाँसवाड़ा**	❖ स्थानीय नाम **'आरैड़'** है।
मसूर	झालावाड़	**झालावाड़**	❖ रबी की एक दलहन फसल।
कुल दलहन	चूरू	**जयपुर**	❖ दलहन उत्पादन में राज्य का **पाँचवाँ** स्थान।
मूँगफली	बीकानेर	**बीकानेर**	❖ मूँगफली उत्पादन के कारण लूणकरणसर **राजस्थान का राजकोट** कहलाता है।
राई व सरसों	अलवर	**अलवर**	❖ राजस्थान का देश में **प्रथम स्थान** ❖ भरतपुर सरसों तेल उद्योग का केन्द्र है।
तिल	पाली	**पाली**	❖ राज्य का उत्पादन में पाँचवाँ स्थान।
अलसी	प्रतापगढ़	**प्रतापगढ़**	❖ भारत का विश्व में तीसरा स्थान।
तारामीरा	जयपुर	**जयपुर**	❖ मावठ होने पर यह फसल विशेषतः बोई जाती है। ❖ स्थानीय नाम **गंदिया, पापड़ा, दुवां, सोंधा, उषान।**
सोयाबीन	झालावाड़	**कोटा**	❖ झालावाड़, कोटा, बाराँ, मुख्य उत्पादक।
अरण्डी	जालौर	**जालौर**	❖ राज्य का उत्पादन में तीसरा स्थान।
कुल तिलहन	बीकानेर	**बीकानेर**	❖ विश्व में भारत का प्रथम स्थान। ❖ राज्य का उत्पादन में दूसरा स्थान।
गन्ना	गंगानगर	**गंगानगर**	❖ भारत विश्व का सबसे बड़ा गन्ना उत्पादक देश है।
कपास	हनुमानगढ़	**गंगानगर**	❖ विश्व में भारत का प्रथम स्थान, स्थानीय नाम - **'बणियाँ'**। ❖ प्रमुख उत्पादक जिले हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बीकानेर, बूँदी
जीरा	जोधपुर	**जोधपुर**	❖ अन्य उत्पादक—बाड़मेर, जोधपुर, नागौर।
धनिया	झालावाड़	**झालावाड़**	❖ अन्य उत्पादक—झालावाड़, कोटा, बूँदी।
ईसबगोल (घोड़ाजीरा)	बाड़मेर	**बाड़मेर**	❖ अन्य उत्पादक—**जालोर**, सिरोही, नागौर, जोधपुर, जैसलमेर।
मैथी	बीकानेर	**बीकानेर**	❖ **हरी मैथी** नागौर के ताऊसर क्षेत्र की प्रसिद्ध है।
ग्वार	बीकानेर	**हनुमानगढ़**	❖ गंगानगर, बीकानेर, हनुमानगढ़ मुख्य उत्पादक जिले, ग्वारगम बनाने में प्रयुक्त।

राजस्थान में कृषि जोत

(आर्थिक समीक्षा : 2021-22)

- **कृषि जोत का अर्थ**-खेत का आकार
- **राज्य में कुल प्रचलित कृषि (भूमि) जोत-** 76.55 लाख (कृषि गणना 2015-16 के अनुसार)
- **सीमांत जोत** (1 है. से कम)-40.12%
- **लघु जोत** (1-2 है.)-21.90%
- **अर्द्ध मध्यम जोत** (2-4 है.)-18.50%
- **मध्यम जोत** (4-10 है.) 14.79%
- **कृषि जोत का औसत आकार**-2.73 हैक्टेयर
- **महिला कृषि जोत धारक**-7.75 लाख (16.55 लाख हैक्टेयर)

राजस्थान में टिड्डी दल का प्रकोप

राजस्थान के पश्चिमी जिलों श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, जोधपुर, नागौर, जैसलमेर, बाड़मेर, जालोर, पाली एवं सिरोही में सदियों से पाकिस्तान की ओर से आने वाले टिड्डी दलों का प्रकोप **(Locust Attack)** होता रहा है। वर्ष **1993, 1998** एवं **2019-20** में राज्य में टिड्डी का प्रकोप **(8 जिलों के 908 गाँव प्रभावित)** रहा है। टिड्डी नियंत्रण हेतु 'मेलाथियान' का छिड़काव किया जाता है। भारत सरकार के टिड्डी चेतावनी संगठन का क्षेत्रीय केन्द्र जोधपुर में एवं सर्कल ऑफिस बाड़मेर, फलौदी, चूरू, नागौर, जैसलमेर, सूरतगढ़, बीकानेर एवं जालोर में स्थापित किये गये है।

राजस्थान में ढ़ोल-थाली बजाकर, आग जलाकर, धुआँ करके एवं ताली बजाकर टिड्डियों को भगाया जाता है। टिड्डी को स्थानीय भाषा 'तीड' कहा जाता है।

राज्य की प्रमुख फसलों का मौसम के आधार पर वर्गीकरण

प्रकार	बुवाई–कटाई	मुख्य फसलें
खरीफ (सावणू)	जून–जुलाई से सितम्बर–अक्टूबर माह	❖ **बाजरा,** चावल, ज्वार, मक्का, अरहर, उड़द, **मूंग,** चँवला (चौला), **मोठ,** मतीरा, **मूंगफली, अरण्डी,** तिल, सोयाबीन, **कपास,** गन्ना, ग्वार।
रबी (ऊनालू)	अक्टूबर–नवम्बर से मार्च–अप्रैल माह	❖ **गेहूँ,** जौ, **चना,** मसूर, मटर, **सरसों,** राई, रायड़ा, अलसी, तारामीरा, सूरजमुखी, धनिया, जीरा, ईसबगोल, मैथी।
जायद	मार्च से मध्य जून माह	❖ **तरबूज, खरबूजा,** ककड़ी, सब्जियाँ, **रंजका,** ऊनालू बाजरी एवं अन्य चारा फसलें।

राज्य में बागवानी फसलों के उत्पादक जिले

फसल	मुख्य उत्पादक	फसल	मुख्य उत्पादक
आम	चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बाँसवाड़ा	**केला**	बाँसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर
माल्टा, किन्नू, मौसमी	श्रीगंगानगर, झालावाड़, हनुमानगढ़	**हल्दी**	उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़
अंगूर	श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, सवाईमाधोपुर	**नींबू**	भरतपुर, अलवर, करौली, सवाईमाधोपर
संतरा	झालावाड़ (Police-11), बारां	**सीताफल**	राजसमंद, उदयपुर, चित्तौड़गढ़
अमरूद	सवाई माधोपुर, हनुमानगढ़, सवाईमाधोपुर	**अनार**	हनुमानगढ़, चित्तौड़गढ़, बाड़मेर
चीकू	सिरोही, पाली, जयपुर, चित्तौड़गढ़	**शहतूत**	जयपुर, अजमेर, बारां, कोटा
पपीता	बूँदी, भीलवाड़ा, भरतपुर, दौसा	**मटर**	नागौर, जयपुर, सीकर
गुलाब	पुष्कर (अजमेर), खमनौर–नाथद्वारा (राजसमंद)	**मेंहदी**	सोजत, गिलूण्ड (राजसमंद)
हरी मैथी	नागौर	**प्याज**	सीकर, जोधपुर, जयपुर, जालोर
मैथी दाना	सीकर, टोंक	**आलू**	भरतपुर, धौलपुर, करौली
टमाटर	जालौर, सिरोही	**अफीम**	चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़
तम्बाकू	जालौर, झुँझुनूँ, अलवर, भरतपुर	**लाल मिर्च**	जयपुर, जोधपुर, नागौर
ईसबगोल	जालौर, बाड़मेर, सिरोही	**धनिया**	झालावाड़, बारां
जीरा	जालौर, बाड़मेर, सिरोही	**सौंफ**	सिरोही, उदयपुर
नाशपति	चित्तौड़गढ़, झालावाड़, राजसमंद	**बेर**	अलवर, जयपुर, भरतपुर
लसौड़ा	अजमेर, बाड़मेर, जोधपुर	**खजूर**	जयपुर, जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर
चुकन्दर	श्रीगंगानगर		

राजस्थान में कृषि जिन्सों से सम्बन्धित मण्डियाँ

जिन्स का नाम	मण्डी	जिन्स का नाम	मण्डी
जीरा	मेड़ता सिटी (नागौर)	**मूँगफली**	बीकानेर
सन्तरा	भवानी मण्डी (कोटा)	**मिर्च**	टोंक
प्याज	अलवर	**किन्नू**	श्रीगंगानगर
अमरूद	सवाई माधोपुर	**धनिया**	रामगंज मण्डी (कोटा)
फूल	पुष्कर–अजमेर	**टिण्डा**	शाहपुरा (जयपुर)
आँवला	चौमूँ (जयपुर)	**लहसुन**	छीपाबड़ौद–छबड़ा (बारां)
टमाटर	बस्सी (जयपुर)	**अश्वगंधा**	झालरापाटन (झालावाड़)
सोनामुखी	सोजतसिटी (पाली)	**जीरा**	जोधपुर
ईसबगोल	भीनमाल (जालौर)	**मेंहदी**	सोजत (पाली)

कृषि क्रान्तियाँ

क्रांति	सम्बन्ध	विशेष विवरण
हरित क्रांति (1966-67)	अनाज उत्पादन	❖ जनक—डॉ. नॉरमन बोरलॉग ❖ भारत में प्रणेता—**डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन।**
इन्द्रधनुषी क्रांति	कृषि व सम्बन्धित क्षेत्र	❖ जनक—**डॉ. स्वामीनाथन,** ❖ **प्रारम्भ**—2000 ई.
श्वेत क्रांति/ऑपरेशन फ्लड	दुग्ध उत्पादन	❖ जनक—**डॉ. वर्गीज कुरियन**
भूरी क्रांति	खाद्यान्न प्रसंस्करण	❖ खाद्यान प्रसंस्करण एवं पैकिंग)

क्रांति	सम्बन्ध	विशेष विवरण
पीली क्रांति	तिलहन उत्पादन	❖ विशेषतया सरसों उत्पादन
लाल क्रांति	टमाटर उत्पादन	❖ माँस के लिए भी लाल क्रांति
सुनहरी क्रांति	बागवानी	❖ फल-फूल व सब्जी उत्पादन
नीली क्रांति	मत्स्य पालन	❖ झीलें, नदियाँ एवं तालाब
गुलाबी क्रांति	मांस एवं पोल्ट्री प्रसंस्करण	❖ परबतसर (नागौर)-बकरा -मांस के लिए प्रसिद्ध
रजत क्रांति	अण्डा उत्पादन	❖ राजस्थान में सबसे बड़ी मण्डी-अजमेर
धूसर क्रांति	सीमेंट उत्पादन	❖ चूना पत्थर के भण्डार वाले क्षेत्रों में
गोल क्रांति	आलू उत्पादन	❖ उत्पादन-कोटा, बारां, हनुमानगढ़

राजस्थान की फसलों के प्रमुख रोग

फसल	मुख्य रोग
बाजरा	❖ हरि/हरित बाली (ग्रीन इअर), मृदुरोमिल आसिता, अरगट रोग, जोगण रोग, कण्डुआ (स्मट) रोग।
गेहूँ	❖ काला किट्ट (ब्लेक रस्ट) रोग, कण्डुआ (स्मट) रोग, मोल्या रोग, रतवा, बाली सिकुड़न (इअर कुकल) रोग, टुण्डु रोग।
चावल	❖ पत्ती चकत्ता (अंगमारी) रोग, कण्डुआ (स्मट) रोग।
ज्वार	❖ तुलासिता (मिल्डयू) रोग, अरगट रोग, बीज कण्डुआ (ग्रेन स्मट) रोग।
जौ	❖ धारीदार (स्ट्रिप) रोग, मोल्या रोग, आवृत कण्डुआ (कवर्ड स्मट) रोग।
मक्का	❖ भूरा धब्बा (ब्राउन स्पॉट) रोग।
गन्ना	❖ लाल सड़न (रेड रोट) रोग, उकठा (बिल्ट) रोग।
कपास	❖ जीवाणु अंगमारी, ब्लेक आर्म रोग, उकठा (बिल्ट) रोग।
सरसों	❖ सफेद किट्ट (व्हाइट रस्ट) रोग, तना गलन (स्टेम रोट) रोग।
मूंगफली	❖ टिक्का रोग, कालरा रोग।
आलू	❖ पत्ती मुड़न रोग, गलन (रिंग रोट) रोग, अंगमारी (ब्लाइट) रोग।
भिण्डी	❖ पीतशिरा रोग।
तम्बाकू	❖ मोजेक रोग।
नींबू	❖ केंकर (खर्रा) रोग।
जीरा	❖ मुरझा (बिल्ट), चैंपा, उखटा, झुलसा एवं छाछ्या रोग।

राजस्थान का नवीनतम भू-उपयोग

(आर्थिक समीक्षा 2021-22 के अनुसार)

1. शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल – **180.32** लाख है. (52.58%)
2. बंजर भूमि – **37.17** लाख है. (10.84%)
3. वानिकी (वन क्षेत्र) – **27.70** लाख है. (8.08%)
4. ऊसर एवं कृषि अयोग्य भूमि – **23.72** लाख है. (6.92%)
5. अन्य चालू पड़त भूमि – **21.42** लाख है. (6.25%)
6. कृषि के अतिरिक्त अन्य उपयोग – **20.07** लाख है. (5.85%)
7. चालू पड़त भूमि – **15.55** लाख है. (4.54%)
8. स्थायी चारागाह एवं गोचर भूमि – **16.67** लाख है. (4.86%)
9. वृक्षों के झुण्ड एवं बाग – **0.29** लाख है. (0.08%)

राजस्थान की प्रमुख फसलों की विभिन्न किस्में

फसल	किस्में
गेहूँ	❖ **सोनालिका, सोना कल्याण,** मैक्सिकन, लाल बहादुर, **खार्चिया-65,** कोहिनूर, मंगला, राज. 3077, राज. 1555 (काठिया गेहूँ)
चावल	❖ **माही सुगंधा,** बासमती, परमल, कावेरी, चम्बल।
मक्का	❖ **माही धवल, माही कंचन,** मोती कम्पोजिट, सविता, मेघा (व्याख्याता-2013)

फसल	किस्में
ज्वार	❖ **राजस्थान चरी** 1/2/3,C.S.V.-10, S.V.P-245, S.P.-96
ग्वार	❖ **दुर्गाविहार**, दुर्गापुरा सफेद, दुर्गा जय, आर.जी.सी. 197/471/936/986
कपास	❖ **नरमा, बीकानेरी**, गंगानगर अगेती, वराह लक्ष्मी, वीरनार।
जौ	❖ **ज्योति, राजकिरण**, मोल्वा।
चना	❖ **सम्राट**, GNG-116, RS-11
सरसों	❖ **वरुणा**, दुर्गामणि, पूसा कल्याणी, R.H.-819
सोयाबीन	❖ **गौरव**, पूसा-16, पंजाब-1, T-1
मोठ	❖ **जड़िया**, ज्वाला।
जीरा	❖ **दुर्गापुरा आर.एस.ओ.-40 केसर** (IEO-18), आर जेड-19, आर जेड-209, आर जेड-223, जीसी-4
किन्नू	❖ **डब्ल्यू मर्कट।**
टमाटर	❖ **रश्मि, अजंता, रूपाली, रेशमा**
खरबूजा	❖ **दुर्गापुरा मधु**
तरबूज	❖ दुर्गापुरा मीठा, दुर्गापुरा केसर
ईसबगोल	❖ आर.आई.-89, गुजरात-2, ट्राम्बे सलेक्सन
खजूर	❖ **बरही**, खुनेजी, सेवी, खदरावी, अलअजवा, मेढ़जूल
धनिया	❖ कर्ण (आ.सी.आर.-41), यू.डी. 435/436, हिसार सुगंध, पंत हरितमा, **कुंभराज**
मैथी	❖ आरएमटी-1
सौंफ	❖ यू.एफ.-101
बाजरा	❖ राज. 171, आर.सी.बी. 2/30/911, राज. बाजरी चरी 2
मूँग	❖ आर.एम.जी.- 62, डी. 6626, आर.एस.-4
मूँगफली	❖ आर.जी. 141, आर.एस.बी. 87 आर.एस.-1, **चन्द्रा**
तिल	❖ आर.टी. 46/54/103/125
अफीम	❖ **रणझटक,** तैलिया, धौलिया, **चेतक,** जवाहर-16
बेर	❖ **गोला, काजरी गोला**, एपलबेर, सौनोर, थॉर्नलेस, पेमंद, कांठा
मसूर	❖ सपना, अंगूरी

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (N.F.S.M.)

- केन्द्रीय सरकार द्वारा केन्द्र प्रवर्तित योजना के रूप में वर्ष 2007-08 से राज्य में गेहूँ एवं दलहन पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन प्रारम्भ किया गया था। केन्द्रीयांश एवं राज्यांश का वित्त पोषण अनुपात 60 : 40 है।
- गेहूँ एवं दहलन पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एन.एफ.एस.एम.) के अन्तर्गत प्रमाणित बीजों का वितरण, उन्नत उत्पादन तकनीक का प्रदर्शन, जैविक खाद, सूक्ष्य तत्वों, जिप्सम, समन्वित कीट प्रबन्धन (आई.पी.एम.), कृषि यंत्रों, फव्वारा, पम्प सैट, सिंचाई जल हेतु पाइप लाईन एवं फसल तंत्र आधारित प्रशिक्षण द्वारा किसानों को सहयोग देना आदि महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम है।
- राज्य में गेहूँ के लिए 14 जिलों यथा—बाँसवाड़ा, भीलवाड़ा, बीकानेर, जयपुर, झुन्झुनूं, जोधपुर, करौली, नागौर, पाली, प्रतापगढ़, सवाई माधोपुर, सीकर, टोंक एवं उदयपुर में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन को लागू किया गया है।
- राज्य में मोटा अनाज मक्का के लिए 5 जिलों यथा—बाँसवाड़ा, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूँगरपुर तथा उदयपुर में एन.एफ.एस.एम. क्रियान्वित किया जा रहा है। मोटा अनाज जौ के लिए 7 जिलों यथा—अजमेर, भीलवाड़ा, हनुमानगढ़, जयपुर, नागौर, श्रीगंगानगर तथा सीकर में एन.एफ.एस.एम. क्रियान्वित किया जा रहा है।
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन न्यूट्रिसीरियल योजना एक केन्द्रीय प्रवर्तित योजना के रूप में राज्य में वर्ष 2018-19 में प्रारम्भ किया गया है। इस योजना में प्रमाणित बीज का वितरण एवं उत्पादन, उत्पादन तकनीक में सुधार का प्रदर्शन, जैव उर्वरकों को बढ़ावा देना, सूक्ष्म तत्वों का प्रयोग, समन्वित कीट प्रबन्धन और फसल प्रदर्शन पर किसानों को प्रशिक्षण देना है। इस योजना में चयनित जिलों में भारत सरकार द्वारा ज्वार फसलें 10 जिलों यथा—अजमेर, अलवर, भरतपुर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, जयपुर, जोधपुर, नागौर, पाली व टोंक तथा बाजरा फसलें 21 जिलों यथा—अजमेर, अलवर, बाड़मेर, भरतपुर, बीकानेर, चूरू, दौसा, धौलपुर, हनुमानगढ़, जयपुर, जैसलमेर, जालौर, झुँझुनूँ, जोधपुर, करौली, नागौर, पाली, सवाईमाधोपुर, सीकर, सिरोही व टोंक से सम्मिलित की गई है। (स्रोतः आर्थिक समीक्षा 2020-21)

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना

केन्द्र एवं राज्य के 60 : 40 वित्त पोषण अनुपात वाली इस योजना के अन्तर्गत राज्य के कुल क्षेत्रफल में से 247 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को जलग्रहण कार्यों हेतु चिह्नित किया गया है। विविध कार्यक्रमों के अन्तर्गत वर्ष 1991 से 2018-19 तक राज्य के 67 लाख हैक्टेयर क्षेत्र को उपचारित किया गया है।

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. राजस्थान में खाद्यान्न फसलों में सर्वाधिक उत्पादित होता है?
(A) गेहूँ (B) बाजरा
(C) जौ (D) मक्का **[A]**

2. राज्य में बाजरे की बुवाई एवं उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है?
(A) पूर्वी (B) पश्चिमी
(C) उत्तरी (D) दक्षिणी **[B]**

3. जिले के बोये गये क्षेत्र में राजस्थान के किस जिले में बाजरे का सर्वाधिक क्षेत्र है?
(A) बाड़मेर (B) जोधपुर
(C) जैसलमेर (D) पाली **[A]**

4. बोये गये क्षेत्रफल की दृष्टि से राज्य की सबसे बड़ी फसल है—
(A) बाजरा (B) गेहूँ (C) जौ (D) सरसों **[A]**

5. निम्न में से कौनसी किस्म के गेहूँ का उत्पादन राजस्थान में नहीं होता है?
(A) मैक्सिकन सोना (B) कल्याण सोना
(C) कोहिनूर (D) गुन्टूर सोना **[D]**

6. राजस्थान में निम्न में से कौनसी फसल का सर्वाधिक क्षेत्र सिंचित है?
(A) बाजरा (B) मूँग (C) गेहूँ (D) मोठ **[C]**

7. राज्य में जौ उत्पादन में अग्रणी जिले है?
(A) बीकानेर एवं चूरू (B) कोटा एवं चूरू
(C) गंगानगर एवं जयपुर (D) सिरोही एवं पाली **[C]**

8. राज्य में चावल का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला जिला है?
(A) बाँसवाड़ा (B) डूँगरपुर
(C) उदयपुर (D) बूँदी **[D]**

9. कृषि अनुसंधान केन्द्र, बाँसवाड़ा द्वारा मक्का का अधिक उत्पादन देने वाली किस किस्म का विकास किया गया है?
(A) स्वर्ण मक्का (B) गोल्डन बाली
(C) कंचन केसरी (D) माही कंचन **[D]**

10. राजस्थान के मक्का उत्पादन करने वाले प्रमुख जिले हैं?
(A) चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, उदयपुर, राजसमन्द
(B) बूँदी, कोटा, झालावाड़, बारां
(C) भरतपुर, धौलपुर, अलवर, दौसा
(D) पाली, जोधपुर, अजमेर, बाड़मेर **[A]**

11. किस फसल की हरी पत्तियों से 'साइलेज' नामक हरा चारा बनता है?
(A) ज्वार (B) बाजरा
(C) मक्का (D) चावल **[C]**

12. राजस्थान के कुल बोये गये क्षेत्रफल में दालों का भाग है?
(A) आधा (B) एक-तिहाई
(C) एक-चौथाई (D) तीन-चौथाई **[C]**

13. 'बेझड़' या 'गोचनी' क्या है?
(A) पश्चिमी राजस्थान के चारागाहों का स्थानीय नाम
(B) बांझ पशुओं का समूह विशेष
(C) द. प. राजस्थान में मूसलाधार वर्षा का स्थानीय नाम
(D) गेहूँ अथवा जौ के साथ बोयी गयी चने की फसल **[D]**

14. राजस्थान में गन्ने का सर्वाधिक उत्पादन किस जिले में होता है?
(A) श्रीगंगानगर (B) भरतपुर
(C) राजसमन्द (D) बूँदी **[A]**

15. राज्य में अरण्डी उत्पादन करने वाले प्रमुख जिलों का समूह है?
(A) भीलवाड़ा, टोंक, बूँदी (B) जालौर, सिरोही, पाली
(C) जयपुर, दौसा, अलवर (D) पाली, चूरू, हनुमानगढ़ **[B]**

16. 'होहोबा' (जोजोबा) क्या है?
(A) एक आयुर्वेदिक औषधि
(B) एक तिलहन
(C) एक प्रक्षेपास्त्र
(D) पारसी धर्म का एक पवित्र स्थान **[B]**

17. राज्य के किन जिलों में सोयाबीन की कृषि बहुतायत में पायी जाती है?
(A) झालावाड़, कोटा, बूँदी (B) सीकर, झुँझुनूँ, चूरू
(C) पाली, नागौर, जोधपुर (D) अलवर, भरतपुर, धौलपुर **[A]**

18. राजस्थान में तम्बाकू की किस किस्म का सर्वाधिक उत्पादन किया जाता है?
(A) निकोटिना टुबेकम (B) निकोटिना रास्टिका
(C) अरेबिका रॉबाटा (D) टुबेकम इण्डिका **[A]**

19. कपास की फसल को स्थानीय भाषा में क्या कहा जाता है?
(A) मणियाँ (B) कपासिया
(C) बणियाँ (D) नेगड़ी **[C]**

20. 'वालरा' क्या है—
(A) बाजरे की एक देशी किस्म
(B) दक्षिणी राजस्थान में की जाने वाली कृषि
(C) दक्षिणी राजस्थान में आदिवासियों द्वारा की जाने वाली कृषि
(D) दक्षिणी राजस्थान में गन्ने की व्यापारिक कृषि **[C]**

21. 'पर्यावरण मित्र' उत्पाद के लिए प्रयुक्त मानक है?
(A) एगमार्क (B) इकोमार्क
(C) हालमार्क (D) उपर्युक्त सभी **[B]**

22. 'जैव (बायो) डीजल' के उत्पादन में प्रयुक्त होता है?
(A) रतनजोत (B) जैस्ट्रोफा
(C) करांजा (D) उपर्युक्त सभी **[D]**

23. 'गोल्डन फाइबर' किस कृषि उपज को कहते हैं?
(A) गन्ना को (B) कपास को
(C) जूट को (D) रेशम को **[C]**

24. प्रदेश का पहला 'चावल क्लस्टर' कहाँ पर बनाया जायेगा?
(A) बाराँ (B) कोटा (C) बूँदी (D) दौसा **[C]**

25. किस फसल को एक चमत्कारिक फसल कहा जाता है?
(A) सोयाबीन (B) सूरजमुखी
(C) रतनजोत (D) तम्बाकू **[A]**

26. कृषि जोतों के आकार की दृष्टि से राज्य का देश में स्थान है?
(A) पहला (B) दूसरा (C) पाँचवाँ (D) छठा **[A]**

27. 'कांगणी' क्या है?
(A) एक प्रकार की वन्य फसल
(B) फसल का एक रोग
(C) आदिवासियों का आभूषण
(D) कृषि का एक प्रकार **[A]**

28. ईसबगोल, जीरा, टमाटर व बेदाना अनार के उत्पादन में राज्य का अग्रणी एवं प्रसिद्ध जिला है?
(A) जयपुर (B) जालौर
(C) जोधपुर (D) गंगानगर **[B]**

29. राजस्थान में वर्तमान में कुल कृषि विश्वविद्यालय कार्यरत हैं?
(A) एक (B) दो (C) पाँच (D) दस **[C]**

30. राजस्थान में मसूर की दो प्रमुख किस्में हैं—
(A) सपना एवं अंगूरी (B) चन्द्रा एवं रमझम
(C) कनिका एवं लालिमा (D) राजमसूर एवं रतनमसूर **[A]**

2 कृषि आधारित उद्योग [Agriculture Base Industry]

❖ कृषि क्षेत्र में फसल पशुपालन, वानिकी तथा मत्स्य क्षेत्र सम्मिलित होते हैं–राज्य में कृषि आधारित उद्योगों में सूती वस्त्र उद्योग,, चीनी उद्योग, वनस्पति घी उद्योग, ऊन उद्योग, तेल उद्योग, डेयरी उद्योग, रेशम उद्योग, गुड़-खांडसरी व चीनी उद्योग, अचार-मुरब्बा, दाल मिल, बेकरी उद्योग आदि प्रमुख उद्योग हैं। इसके अलावा कुछ और उद्योग जैसे पाली का मेंहदी उद्योग, बांसवाड़ा का आम पापड़ उद्योग, बीकानेर का पापड़-भुजिया, जोधपुर-नागौर क्षेत्र का मेथी उद्योग, झालावाड़-गंगानगर का रसदार फल उद्योग आदि भी इस श्रेणी में आने वाले प्रमुख उद्योग हैं।

❖ राज्य के **अलवर, जोधपुर, कोटा** एवं **श्रीगंगानगर** में **एग्रो फूड पार्क** स्थापित किये गये हैं।

राजस्थान में कृषि आधारित उद्योग

1. चीनी उद्योग

❖ यह कृषि आधारित देश का **दूसरा** बड़ा उद्योग है।

❖ यह सरकारी नियंत्रण वाला उद्योग भी है।

❖ चीनी उद्योग में कच्चे माल के रूप में गन्ना व चुकन्दर का उपयोग किया जाता हैं।

❖ राजस्थान में सर्वाधिक गन्ना उत्पादन वाला जिला **श्रीगंगानगर** है।

❖ वर्तमान में राजस्थान में चीनी की तीन वृहद् इकाइयाँ कार्यरत हैं—

क्र.सं.	इकाई	स्थापित	क्षेत्र	विशेष
1.	**द मेवाड़ शुगर मिल्स लि., भोपाल सागर (चित्तौड़गढ़)**	1932	**निजी**	राज्य की प्रथम चीनी मिल
2.	**गंगानगर शुगर मिल्स लि., कमीनपुरा (गंगानगर)**	1937	**सार्वजनिक**	गन्ना व चुकन्दर से चीनी बनाई जाती है।
3.	**केशोरायपाटन सहकारी शुगर मिल्स, बूँदी**	1965	**सहकारी**	वर्तमान में बंद पड़ी है।

❖ उदयपुर शुगर मिल **1976** में स्थापित की गयी थी।

❖ वर्तमान में गंगानगर शुगर मिल द्वारा तीन उपक्रमों का संचालन किया जाता हैं—
(i) हैरिटेज लिकर का निर्माण, झोटवाड़ा, जयपुर
(ii) दी हाइटेक प्रिसिजन ग्लास फैक्ट्री, धौलपुर
(iii) देशी शराब (महुआ की) का निर्माण

2. सूती वस्त्र उद्योग

❖ सूती वस्त्र उद्योग **राजस्थान का सबसे प्राचीन व संगठित उद्योग** है।

❖ राजस्थान निर्माण के समय 7 सूती वस्त्र मिलें स्थापित थीं जबकि वर्तमान में राज्य में 64 सूती वस्त्र मिलें स्थापित हैं।

❖ कृषि आधारित उद्योगों में सबसे बड़ा उद्योग सूती वस्त्र उद्योग है।

❖ महिलाएँ सर्वाधिक सूती वस्त्र उद्योग में कार्यरत हैं।

❖ राज्य की प्रथम सूती वस्त्र मिल **द कृष्णा मिल्स लि., ब्यावर (अजमेर)** में सेठ दामोदर दास राठी, कर्नल डिक्सन के सहयोग से श्यामजी कृष्ण वर्मा द्वारा 1889 ई. में स्थापित हुई।

❖ **सार्वजनिक क्षेत्र की मिलें**—(i) एडवर्ड मिल्स, **ब्यावर** (1906) (ii) महालक्ष्मी मिल्स, **ब्यावर** (1925) (iii) श्री विजय कॉटन मिल्स, **विजयनगर** (1938)।

❖ सार्वजनिक क्षेत्र के तीनों मिल्स को 1974 में राष्ट्रीय वस्त्र निगम द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया।

❖ **सहकारी क्षेत्र की मिलें**—(i) राजस्थान सहकारी कताई मिल, **गुलाबपुरा (भीलवाड़ा)** (ii) गंगापुर सहकारी कताई मिल, **गंगापुर (भीलवाड़ा)** (iii) गंगानगर सहकारी कताई मिल, **हनुमानगढ़**।

❖ **1 अप्रैल, 1993** को सहकारी क्षेत्र की तीनों मिलों एवं गुलाबपुरा स्पिनिंग सहकारी वस्त्र मिल्स को मिलाकर **स्पिनफेड** (SPINFED) बनाया गया।

❖ **कुछ प्रमुख अन्य मिलें**
1. मेवाड़ टेक्स्टाइल्स मिल्स – भीलवाड़ा – 1938 में
2. महाराजा उम्मेदसिंह मिल्स – पाली – 1942 में
3. सार्दूल टेक्स्टाइल्स मिल्स – श्रीगंगानगर–1946 में
4. कोटा टेक्स्टाइल्स मिल्स – कोटा–1956
5. आदित्य मिल्स – किशनगढ़ (राज्य की दूसरी सबसे बड़ी मिल है।)

❖ राजस्थान की सबसे बड़ी सूती वस्त्र मिल महाराजा उम्मेद मिल्स लिमिटेड, पाली है। (स्थापना 1942)

❖ भीलवाड़ा को राजस्थान का मैनचेस्टर, वस्त्री नगरी व टेक्सटाइल सिटी भी कहा जाता हैं।

❖ राजस्थान का नवीन मैनचेस्टर भिवाड़ी (अलवर)को कहा जाता है। वहीं पाली को राजस्थान का मिनी मुम्बई कहते हैं।

❖ देश का सबसे बड़ा पावरलूम सेन्टर – किशनगढ़, अजमेर में है।

❖ केन्द्र सरकार द्वारा 2009 में भीलवाड़ा को 'कपड़ा निर्यातक शहर' का दर्जा दिया गया था।

❖ यह उद्योग राज्य में सर्वाधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता हैं।

❖ वर्तमान में सूती वस्त्र उद्योग के प्रमुख केन्द्र भीलवाड़ा, पाली, ब्यावर, गुलाबपुरा, बांसवाड़ा, किशनगढ़, उदयपुर एवं जयपुर हैं।

3. ऊन एवं ऊनी वस्त्र उद्योग

- राजस्थान से देश के ऊन उत्पादन का **37.44%** (प्रथम स्थान) प्राप्त होता है।
- राजस्थान में ऊन उद्योग के प्रमुख केन्द्र **बीकानेर, ब्यावर, जोधपुर** हैं।
- सर्वाधिक ऊन उत्पादन वाला जिला **जोधपुर** है।
- एशिया की सबसे बड़ी ऊन मण्डी **बीकानेर** में है।
- ऊनी कपड़ा सबसे अधिक **भीलवाड़ा** में बनता है।
- राज्य ऊन मिल **(SWM) बीकानेर** में स्थित है।
- गलीचा प्रशिक्षण केन्द्र **बीकानेर** में है।
- ऊन फैक्ट्री **जोधपुर** में स्थित है।
- वूल टेस्टिंग प्रयोगशाला–बीकानेर
- ऊन प्रशिक्षण केन्द्र–जयपुर
- वर्स्टेड स्पिनिंग मिल्स, **चूरू** एवं **लाडनूं** (नागौर) में स्थित है।
- **भारत सरकार** द्वारा **केन्द्रीय ऊन विकास बोर्ड (CWDB) जोधपुर** में **1987** में स्थापित किया गया जिसने **1989** में कार्य आरम्भ किया है। यह बोर्ड देश में ऊन एवं **ऊनी वस्त्र उत्पादों** के मूल्य निर्धारण एवं विपणन हेतु नीति निर्माण का कार्य करता है एवं इस संदर्भ में **भारत सरकार को सलाह** प्रदान करता है।
- देश का पहला एकीकृत टेक्सटाइल पार्क **शाहगढ़, जैसलमेर** में स्थापित किया गया है।

4. कागज उद्योग

- राज्य में कागज बनाने का कारखाना सर्वप्रथम **सांगानेर (जयपुर)** में लगाया गया।
- **घोसुण्डा (चित्तौड़गढ़)** व **सांगानेर (जयपुर)** में हाथ से कागज बनाये जाते हैं।
- **कुमारप्पा राष्ट्रीय हस्तनिर्मित कागज संस्थान (KNHPI)** सांगानेर (जयपुर) में स्थित है। इस संस्थान की स्थापना भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय के अधीन खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा की गयी है।
- राजस्थान में **स्ट्रा बोर्ड** बनाने का बड़ा कारखाना **कोटा** में स्थित है।

वनस्पति घी उद्योग/सरसों तेल उद्योग

- वर्तमान में वनस्पति घी का सर्वाधिक उत्पादन जयपुर में होता है।
- सरसों तेल का सर्वाधिक उत्पादन जयपुर जिले में होता है।
- सरसों तेल के प्रमुख कारखाने –
  - वीर बालक – जयपुर
  - चम्बल – जयपुर
  - नेताजी – जयपुर
  - इंजन मर्का – भरतपुर
- सरसों मण्डी – सुमेरपुर (पाली) में स्थित है।

डेयरी उद्योग

- राजस्थान में डेयरी उद्योग का सर्वाधिक विकास जयपुर में हुआ है।
- राजस्थान की प्रथम डेयरी पद्मा, अजमेर में 1938 ई. में स्थापित की गयी थी।
- राजस्थान राज्य डेयरी विकास निगम 1975 में विश्व बैंक की सहायता से जयपुर में स्थापित किया गया था।
- बाद में RCDF (राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन) को राजस्थान डेयरी विकास निगम के स्थान पर बनाया गया।
- ऊँटनी के दूध विपणन का केन्द्र जयपुर में स्थापित किया गया है।
- राजस्थान में संचालित प्रमुख डेयरी—
  - उरमूल (URMUL) (उत्तरी राजस्थान मिल्क यूनियन लि.) – बीकानेर
  - वरमूल (WRMUL) – जोधपुर
  - गंगमूल – श्रीगंगानगर
  - मेट्रो डेयरी – बस्सी, जयपुर

रेशम उद्योग

- राजस्थान में रेशम कीट पालन टसर कृषि कार्यक्रम कहलाता है।
- यह कृषि राज्य में उदयपुर, बांसवाड़ा, कोटा में की जाती है।
- रेशम कीट शहतूत के वृक्ष पर पाले जाते हैं।
- रेशम कीट पालन को 'सेरीकल्चर' कहा जाता है।
- कृत्रिम रेशम के कारखाने गुलाबपुरा (भीलवाड़ा), बांसवाड़ा व कोटा में हैं।

बायोडीजल उद्योग

- कच्चा माला – रतनजोत/जेट्रोका एवं करंज
- बायोडीजल रिफाइनरी – कलड़वास (उदयपुर)
- बायोडीजल प्लांट – झामर कोटड़ा (उदयपुर)
- जैतून रिफाइनरी लूणकरणसर बीकानेर में स्थापित हैं।

क्र.सं.	उद्योग	प्रमुख केन्द्र
1.	गुड़ एवं खाण्डसारी निर्माण उद्योग	गंगानगर, बूँदी, चित्तौड़गढ़, कोटा
2.	ग्वार गम उद्योग	जयपुर, अजमेर, अलवर, नागौर
3.	खाद्य प्रसंस्करण उद्योग	• बेकरी–सभी बड़े नगरों में • पापड़, भुजिया, मंगोड़ी–बीकानेर • आम पापड़–बाँसवाड़ा • दाल उद्योग (अरहर, मूँग, उड़द, मोठ, चना)–जोधपुर, कोटा, बीकानेर, उदयपुर, भीलवाड़ा, पाली, चित्तौड़गढ़)

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. 'कम्प्यूटर एडेड कारपेट डिजाइन सेन्टर' कहाँ स्थापित किया गया है?
(A) बीकानेर (B) अजमेर
(C) जयपुर (D) कोटा **[C]**

2. राज्य में वस्त्र उद्योग हेतु 'कम्प्यूटर एडेड डिजाइन सेन्टर' कहाँ स्थापित किया गया है?
(A) भीलवाड़ा (B) पाली
(C) अजमेर (D) जैसलमेर **[A]**

3. राजस्थान में 'पुष्प उत्पादन' हेतु सर्वप्रथम विशेष औद्योगिक पार्क कहाँ पर स्थापित किया गया है?
(A) पुष्कर (B) अजमेर
(C) खुशखेड़ा (D) सांगानेर **[C]**

4. राजस्थान में परम्परागत एवं प्राचीनतम उद्योग कौनसा है?
(A) सूती वस्त्र उद्योग (B) सीमेन्ट उद्योग
(C) शक्कर उद्योग (D) चमड़ा उद्योग **[A]**

5. राज्य में तेल घाणी उद्योग का संकेन्द्रण कहाँ पर हुआ है?
(A) जोधपुर, पाली, श्रीगंगानगर, राजसमन्द
(B) पाली, नागौर, डूँगरपुर, बाँसवाड़ा
(C) भरतपुर, कोटा, अलवर, श्रीगंगानगर
(D) झालावाड़, धौलपुर, सवाईमाधोपुर, करौली **[C]**

6. राजस्थान में ग्वार गम उद्योग के प्रमुख केन्द्र हैं?
(A) उदयपुर एवं चित्तौड़गढ़ (B) जयपुर एवं अजमेर
(C) कोटा एवं झालावाड़ (D) बीकानेर एवं चूरू **[A]**

7. राज्य के किस स्थान पर सहकारी क्षेत्र में चीनी मिल स्थापित की गई है?
(A) श्रीगंगानगर
(B) चित्तौड़गढ़
(C) केशोरायपाटन (बूँदी)
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं **[C]**

8. राज्य में वनस्पति घी बनाने का सर्वप्रथम कारखाना कहाँ खोला गया?
(A) जयपुर (B) अजमेर
(C) कोटा (D) भीलवाड़ा **[D]**

9. राज्य में नमकीन, भुजिया, पापड़ एवं रसगुल्ला उद्योगों का सर्वाधिक संकेन्द्रण किस नगर में हुआ है?
(A) बीकानेर (B) चूरू
(C) श्रीगंगानगर (D) सीकर **[A]**

10. राजस्थान में प्रधानता है—
(A) आधारभूत उद्योगों की
(B) कृषि एवं खनिज आधारित उद्योगों की
(C) बॉयो-प्रोडक्ट आधारित उद्योगों की
(D) खाद्यान्न प्रसंस्करण उद्योगों की **[B]**

11. राज्य में मसाला पार्क कहाँ पर स्थित है?
(A) कोटा (B) जोधपुर
(C) पाली (D) ब्यावर **[A]**

12. राजस्थान में हस्तनिर्मित कागज उद्योग का प्रमुख केन्द्र है?
(A) जोधपुर (B) सांगानेर
(C) कोटा (D) भरतपुर **[B]**

दक्ष की पुस्तकें Online Order करने के लिए www.dakshbooks.com पर जायें

दक्ष प्रकाशन
(A Unit of College Book Centre)
A-19 सेठी कॉलोनी, जयपुर (राज.)
फोन नं. 0141-2604302
Code No. D-615 ₹ 380/-